ध्येय पथ
अगस्त 2018

प्रार्थना सभा का प्रारम्भ –

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 1 अगस्त से महाविद्यालय में नियमित प्रार्थना सभा का आयोजन प्रातः 9.25 बजे से प्रारम्भ हुआ। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रातः 09:25 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईशोपासना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि कोई महापुरुष/घटना की जयन्ती/पुण्यतिथि/ स्मृति दिवस होता है, तो उस दिन महापुरुष/घटना के संदर्भ में उद्बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्भगवतगीता के हिन्दी अनुवाद सहित 5 श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारियो सहित प्राचार्य उपस्थित रहते हैं।

बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती एवं नवप्रवेशार्थी विद्यार्थी स्वागत समारोह –

01 अगस्त को बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने नवप्रवेशार्थी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उपरोक्त दोनों महापुरुषों के व्यक्तित्व पर अपना विचार व्यक्त किया। इसके साथ ही साथ नवप्रवेशित विद्यार्थियों को स्वस्थ परिसर संस्कृति से भी अवगत कराया। इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बी.एड. विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला –

03 अगस्त को महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला के अन्तर्गत 'सूक्ष्म शिक्षण' विषय पर दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के एसोसिएट प्रो. डॉ. राजशरण शाही द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

साप्ताहिक योग प्रशिक्षण का उद्घाटन –

04 अगस्त को वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने योग के महत्व को बताते हुए साप्ताहिक योग का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रक्षा एवं स्त्रातजिक विभाग में विशिष्ट व्याख्यान–

06 अगस्त को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा हिरोशिमा दिवस पर ''परमाणु शस्त्र–सुरक्षा एवं विनाश'' के विशेष सन्दर्भ में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर बाबू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. करूणेन्द्र सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह तथा आभार ज्ञापन प्रवक्ता श्री रमाकान्त दूबे ने किया।

सप्तदिवसीय राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला उद्घाटन समारोह –

7 से 13 अगस्त तक आयोजित होने वाले राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का उद्घाटन कार्यक्रम 7 अगस्त को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा प्रस्तुत किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश शुक्ल ने महन्त अवेद्यनाथ जी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने जबकि अतिथियों के प्रति आभार प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान माला के दूसरे दिन–

8 अगस्त को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सेंटर फार स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एण्ड इनक्लूसिव पालिसी के समन्वयक तथा राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रोफेसर प्रो. टी. पी. सिंह ने 'भारत उभरती हुई महाशक्ति–एक विश्लेषण' पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित दूसरे वक्ता अर्थशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री मंजेश्वर ने 'जी.एस.टी. चुनौती एवं संभावनाएँ' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। अतिथि का आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने तथा कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता सुश्री श्वेता चौबे ने किया।

भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी घटना दिवस–

9 अगस्त को प्रार्थना सभा में आयोजित भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी घटना पर आयोजित कार्यक्रम में इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने स्मृति व्याख्यान प्रस्तुत कर महान क्रांन्तिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी शिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान माला के तीसरे दिन–

9 अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने ''कार्बन से परे ऊर्जा का भविष्य'' विषय पर अपना शोध परक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ. अभिषेक सिंह ने ''वैश्विक परिदृश्य मे भारत की नाभिकीय नीति'' विषय पर उद्‌बोधन दिया कार्यक्रम का संचालन बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह तथा आभार ज्ञापन रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया।

व्याख्यान माला के चौथे दिन–

10 अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की पूर्व संकायाध्यक्ष एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. शैलजा सिंह ने ''वैश्विक परिदृश्य में भारतीय शिक्षा'' विषय पर व्याख्यान दिया। दूसरे वक्ता के रूप में उपस्थित महाविद्यालय के ही रसायन शास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. राम सहाय ने 'दैनिक जीवन में रसायनों का प्रयोग' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. विभाग की प्रवक्ता सुश्री रचना सिंह तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ला ने किया।

व्याख्यान माला के पाँचवे दिन– 11 अगस्त को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के आचार्य प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने ''राजनीति कार्य संस्कृति एवं एकात्म मानव दर्शन'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने ''राष्ट्र निर्माण में हिन्दी साहित्य की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री नन्दन शर्मा ने किया।

व्याख्यान माला के छठवें दिन–

12 अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिक विज्ञान विभाग के आचार्य एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. रविशंकर सिंह ने ''प्रकाश बोध का संक्षिप्त इतिहास'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने 'स्वतन्त्रता संग्राम में सामाजिक सुधार आन्दोलनों की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. यशवन्त राव और आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला–

11 अगस्त को महाविद्यालय मे आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में ''शैक्षिक उन्न्यन'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। कार्यशाला के अन्तर्गत शैक्षिक संस्थानों में शैक्षिक गुणवत्ता कैसे बढ़ाई जाए, विद्यार्थियों मे नैतिकता बोध का सृजन कैसे हो आदि विषयों पर परिचर्चा की गई। कार्यशाला में प्राचार्य सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

अमर शहीद बन्धू सिंह शहादत दिवस–

12 अगस्त को प्रार्थना सभा में अमर शहीद बन्धू सिंह शहादत दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में राजनीतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने अमर शहीद बन्धू सिंह के व्यक्तित्व पर अपना विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान माला–समापन समारोह तथा भारत विभाजन की पूर्व संध्या–

13 अगस्त को महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान–माला के समापन समारोह तथा भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर व बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दूबे तथा मुख्य वक्ता के रूप में जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह का मार्गदर्शन एवं उद्‌बोधन विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के पूर्व कुलपति तथा प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो.यू.पी.सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार रॉव नें 7 दिन चलने वाले इस समारोह का संक्षिप्त कार्यवृप्त प्रस्तुत करने के साथ अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह–

15 अगस्त को महाविद्यालय में प्रतिवर्ष की भाँति देश का 72 वॉ स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्सवपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान, वन्देमातरम् सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य जी ने परम्परानुसार अपने उद्‌बोधन में महाविद्यालय के प्रयत्नों को ही शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट करते हुए राष्ट्र निर्माण में महाविद्यालय के योगदान पर व्याख्यान दिया।

रामकृष्ण परमहंस समाधिस्थ दिवस–

16 अगस्त को प्रार्थना सभा में रामकृष्ण परमहंस समाधिस्थ दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रामकृष्ण परमहंस के व्यक्तित्व एवं आध्यात्मिक आंदोलन पर बी.एड. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती पुष्पा निषाद उद्‌बोधन प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री अटल बिहार वाजपेयी की श्रद्धांजलि सभा–

17 अगस्त को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के परलोक गमन के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रातः 09:25 पर प्रार्थना सभा में किया गया। महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कमार मिश्र द्वारा उनके व्यक्ति एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित थे।

योग व्याख्यान कार्यक्रम–

हर शनिवार की भाँति 18 अगस्त को प्रार्थना सभा में बी.एड. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा ''दैनिक जीवन में योग के उपयोग'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला–

21 अगस्त को महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में ''शैक्षिक उन्नयन एवं शिक्षक सहभागिता'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य एवं शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। कार्यशाला में शिक्षा–स्तर के उन्नयन एवं इसमें शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता विषय पर चर्चा–परिचर्चा की गई। शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों की संतुष्टि का स्तर आदि कैसे बढ़ाया जा सकता है, इस सन्दर्भ में शिक्षकों से अभिमत भी प्राप्त किया गया।

राजगुरू जयन्ती–

24 अगस्त को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री वागीश राज पाण्डेय ने भारत के महान क्रांतिकारी राजगुरू की जयन्ती के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके व्यक्तित्व व उनके बलिदान पर व्याख्यान देकर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हे हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

रानी पद्मिनी जौहर दिवस–

25 अगस्त को प्रार्थना सभा में रानी पद्मिनी जौहर दिवस के अवसर पर भारत की वीरांगनाओं के गौरवपूर्ण इतिहास, त्याग और बलिदान की गौरवगाथा का ''जौहर दिवस'' के अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने भारत की इस अमर वीरांगना के बलिदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सभी शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्रसंघ चुनाव प्रक्रिया की समीक्षा बैठक–

27 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव की समीक्षा बैठक जगत जननी माँ सीतासभागार में छात्रसंघ चुनाव अधिकारी श्री नन्दन शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न की गई। इस बैठक में चुनाव प्रक्रिया से सम्बन्धित सभी बातों पर चर्चा की गई।

छात्रसंघ चुनाव – कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव

28 अगस्त को छात्रसंघ के अन्तर्गत कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव संपन्न हुआ जिसमें 90 में से 80 कक्षा प्रतिनिधि चुने गए। 10 पदों पर अभ्यर्थी न होने के कारण चुनाव नहीं हो पाया। प्रतिनिधियों का चुनाव उनके शैक्षिक गुणवत्ता के आधार पर किया गया। अपनी–अपनी कक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी ही कक्षा प्रतिनिधि चुने गये। उन्ही में सें अध्यक्ष पर पर 02, उपाध्यक्ष पद पर 02, महामंत्री पद पर 03 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 02 प्रतिनिधियों ने पर्चा दाखिल किया।

छात्रसंघ चुनाव–योग्यता भाषण–

29 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव हेतु योग्यता भाषण का आयोजन किया गया। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद हेतु मंयक तिवारी व विवेक विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष पद के लिए सुशील चन्द्र ओझा, विशाल कुमार दूबे और महामंत्री पद के लिए दिव्यांशु रंजन, सुनील कुमार सिंह, पंकज कुमार यादव तथा पुस्तकालय मंत्री पद हेतु नीलेश नन्द तथा अंकित कुमार पाण्डेय ने अपना विचार प्रस्तुत कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम संचालन चुनाव प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया।

मेजर ध्यानचन्द जयन्ती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस–

29 अगस्त को प्रार्थना सभा में अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने राष्ट्रीय खेल दिवस व हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के जयन्ती के अवसर पर मेजर ध्यानचन्द के व्यक्तित्व पर व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

छात्रसंघ चुनाव हेतु मतदान–

30 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव हेतु मतदान शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। सभी संकायों से 74. 93 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव में अध्यक्ष पद पर एम.ए. अन्तिम वर्ष के छात्र श्री मंयक तिवारी, उपाध्यक्ष पद पर बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री विशाल कुमार दूबे महामंत्री पद पर बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के श्री दिव्यांशु रंजन तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री अंकित कुमार पाण्डेय विजयी रहे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव सहित सभी शिक्षकों ने विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई दी तथा चुनाव अधिकारी श्री नन्दन शर्मा ने विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया।